सेवा भारती सम्मान समारोह के "सेवा सम्मान-2023" कार्यक्रम में माननीय अध्यक्ष का सम्बोधन

मैं सेवा भारती द्वारा आयोजित सेवा और सम्मान के इस कार्यक्रम में उपस्थित आप सभी प्रबुद्ध जनों का हार्दिक अभिनंदन करता हूँ, आपका हार्दिक स्वागत करता हूं। आपकी नि:स्वार्थ सेवा और सामाजिक उत्थान के प्रति अटूट प्रतिबद्धता की भावना को मैं नमन करता हूँ।

सेवा भारती, जैसा कि इसके नाम से ही स्पष्ट है, ऐसा संगठन है, जो समाज के उत्थान के लिए काम करता रहा है और सामूहिक प्रयासों से देश में शांति, समृद्धि और विकास किस प्रकार लाया जाए, इसके लिए काम करता रहा है। मुझे अत्यंत प्रसन्नता है कि आपकी संस्था के कार्यों ने अनगिनत लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डाला है।

आपका मूलमंत्र ही है 'सेवा, संस्कार, समरसता और समृद्धि' और 'नर सेवा ही नारायण सेवा है।' सेवा की भावना आपके नाम में, आपके संस्कारों में है।

इस मूलमंत्र के अनुरूप ही आपका यह संगठन सेवा धर्म का अनुपालन करते हुए अपनी स्थापना के समय से ही समाज के अंदर दु:ख-दर्द को कम करने और वंचितों को सशक्त बनाने की दिशा में लगातार काम कर रहा है।

समाज सेवा के प्रति आपकी अटूट प्रतिबद्धता इसलिए है कि सेवा, करुणा, सहानुभूति और समावेशिता के हमारे प्राचीन संस्कारों को, सिद्धांतों को आपने अपने काम में आत्मसात कर लिया है।

जिस भावना से स्व. बालासाहेब देवरस जी ने इसकी स्थापना की थी, उस भावना के अनुसार आपने काम किया है और यही कारण है कि आपके नि:स्वार्थ कार्यों ने समाज के अंदर युवाओं को आकर्षित किया है।

आज आपका संगठन वृद्धि और विकास के उस स्तर पर आ चुका है कि आज समाज के सभी वर्गों के लोग आपसे जुड़ रहे हैं और अपने जीवन को सार्थक कर रहे हैं।

कमजोर वर्गों के लिए छात्रावास की व्यवस्था हो, लोगों के लिए चिकित्सा की सुविधा हो, वोकैशनल ट्रेनिंग हो, आपने जनता की जरूरतों को नजदीक से समझा है और उनको पूरा करने के लिए निष्ठा से प्रयास किए हैं। जनता से जुड़े रहना और जरूरतों को समझते हुए उनको पूरा करने के लिए काम करना आपकी सबसे बड़ी ताकत है।

प्राचीन काल से ही हमारे जीवन मूल्यों में उत्तम संस्कारों का बड़ा महत्व रहा है। हमारे ऋषि-मुनियों ने, महापुरुषों ने सेवा भाव को सबसे श्रेष्ठ बताया है। मानव कल्याण के लिए समर्पण और सेवा का भाव हमारी पुरातन संस्कृति का एक अहम हिस्सा रहा है।

हम जीवन में जो भी अर्जित कर रहे हैं, वह केवल नौकरी के उद्देश्य तक सीमित नहीं होनी चाहिए बल्कि यह लोगों में सामाजिक जिम्मेदारी, राष्ट्र और मानवता की सेवा की आदत विकसित करने वाली होनी चाहिए।

हमारे संतों और महापुरुषों ने अपने जीवन के माध्यम से हमें यही सिखाया है। उनका जीवन सेवा, करुणा और त्याग की शक्ति को दर्शाता है और हमें इनका मूल्य सिखाता है। कहते हैं कि जन सेवा ही प्रभु सेवा है और इसे

इस संस्था से बेहतर और कौन बता सकता है। जिस संस्था की स्थापना के पीछे, उसकी नींव में ही सेवा का भाव निहित हो, उसके कार्यों और कर्तव्यों में वही भाव झलकता हो।

आज आपकी संस्था जिस तरह देश के कोने-कोने में जा करके मानव कल्याण और समाज हित के कार्यों में लगी हुई है, वह अभिनंदन के योग्य है। आप जमीन पर काम करने वाले लोग हैं, लोगों के बीच में काम करने वाले लोग हैं।

"सेवा सम्मान-2023" का आयोजन हमारे उन समाजसेवियों की सेवा भावना और समर्पण का प्रमाण है, जिन्होंने जनता के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए नि:स्वार्थ भाव से अपने समय, ऊर्जा और संसाधनों को समर्पित किया है।

आज जब हम इस आयोजन के माध्यम से यहाँ के सेवा विभूतियों को उनके उल्लेखनीय कार्यों के लिए सम्मानित कर रहे हैं तो यह उनका व्यक्तिगत सम्मान तो है ही, साथ ही साथ यह इस संस्था की भी विशेष उपलब्धि है कि यह संस्था समय के साथ हजारों की संख्या में सेवा कार्यकर्ताओं को समाज में उनके अभिन्न योगदान के लिए प्रेरित कर रही है।

मेरा मानना है कि हमें न केवल अतीत की उपलब्धियों पर गर्व होना चाहिए, अपितु इस सेवा यात्रा को जारी रखने के लिए एक-दूसरे को प्रेरित भी करना चाहिए।

एक समाज के रूप में हम जिन चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, उनके लिए हमें मिलकर काम करने की आवश्यकता है, और साथ मिलकर ही हम एक ऐसे भविष्य का निर्माण कर सकते हैं, जहां विकास और प्रगति का लाभ सभी तक पहुंचे।

एक समतामूलक एवं समावेशी समाज की स्थापना हम सभी का लक्ष्य होना चाहिए। हमारा आदर्श एक ऐसी समाज की स्थापना हो जहां समाज का आखिरी व्यक्ति भी सम्मान एवं गरिमा से अपना जीवन चला सके। उसकी हर पीड़ा और अभाव का समाधान मौजूद हो।

आज जिन महानुभावों को यहाँ सम्मानित किया गया है, उन्होंने अपने अपने क्षेत्रों में अपने अपने तरीकों से समाज को आगे बढ़ाने का काम किया है, आगे बढ़ाने का प्रयास किया है।

मैं इस आयोजन को संभव बनाने वाले सभी कार्यकर्ताओं, आयोजकों और सहयोगियों का हृदय से साधुवाद करता हूं। आपका समर्पण ही सेवा भारती, दिल्ली की सफलता का आधार है।

मैं एक बार फिर से पुरस्कार विजेताओं को हार्दिक बधाई देता हूं। आपकी सेवा इस बात का प्रमाण है कि एक व्यक्ति वास्तव में बदलाव ला सकता है।

आज आप केवल पुरस्कार प्राप्तकर्ता नहीं हैं, बल्कि आप उस परिवर्तन का प्रतीक हैं जो आप दुनिया में देखना चाहते हैं, और जिस परिवर्तन को लाने के लिए आपने काम किया है।

धन्यवाद, जय हिंद !